CAREER MIRROR

करिअर मिरर

RNI: RJBIL/2013/54049

सामान्य ज्ञान ■ करंट अफेयर्स ■ रोजगार समाचार ■ अन्तरराष्ट्रीय घटनाऐं ■ आलेख ■ भाषा ज्ञान ■ व्यक्ति परिचय ■ कैम्पस दर्पण

newsdesk@CareerMirror.co.in

कोटपूतली–बहरोड़, राजस्थान से प्रकाशित

...THAN | FRIDAY, 20 March, 2026

Special Edition

करिअर समिट शिक्षा मेला

17 | 18 | 19 APRIL 2026

तीन दिवस, 50 + संस्थाएं, 25 करिअर सेमिनार

17 | 18 | 19 APRIL 2026
FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY

कैम्पस दर्पण 2026

कक्षा 5 से कॉलेज तक के सभी विद्यार्थी व अभिभावकों के लिए

3 दिवस के लिए सभी प्रमुख शिक्षण संस्थान बहरोड़ में एक छत के नीचे

कोटपुतली, बहरोड़, बानसूर, नीमराना, मुण्डावर, महेंद्रगढ़, नारनौल, नांगल चौधरी, अटेली सीकर कोटा जयपुर अलवर

इन सभी शहरों से स्कूल कॉलेज कोचिंग यूनिवर्सिटी व अन्य सभी शैक्षिक संस्थाएं

कोटपुतली - बहरोड़ करिअर समिट व शिक्षा मेला 2026

नवोदय / म्लिट्री /सैनिक स्कूल बोर्डिंग स्कूल डिग्री कॉलेज डिस्टेंस एजुकेशन स्पोर्ट्स अकैडमी

फार्मेसी कॉलेज पैरा मेडिकल कॉलेज होटल मैनेजमेंट फ़ायर & सेफ्टी इंज. जर्नलिज्म फैशन डिजाइनिंग

सभी प्रकार के कोचिंग संस्थान NEET, IIT-JEE, NDA, JET, CUET

करिअर समिट 2026 - 1

तीन दिवस, 50 + संस्थाएं, 25 करिअर सेमिनार

सेमिनार - रोजाना 1-1 घंटे के 8 सत्र
करिअर पर चर्चा, कहाँ एडमिशन लें
किस क्षेत्र में करियर के क्या अवसर हैं
मेले में विज्ञानं प्रतियोगिता नकद पुरस्कार
और भी बहुत कुछ पाने का अवसर .

हर संस्था के कैंपस की पूरी जानकारी एक जगह पर उपलब्ध, विद्यार्थियों के लिए विज्ञानं एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में नकद पुरस्कार जीतने का सभी के लिए अवसर

Free Online Registration
www.CampusDarpan.com

50KM तक नि:शुल्क बस सुविधा

1. खैरथल - ततारपुर चौराहा - धेलावास - सोडावास
2. बिबिरानी - हरसोली - मुण्डावर - बर्डोद
3. बानसूर - गूता - मोरोड़ी - परसा का बास
4. पावटा - कोटपूतली - पनियाला मोड़
5. नांगल चौधरी - मोरुण्ड - तसींग
6. नारनौल-मंढाना - भगवाड़ी - जखराना - निम्भोर
7. अटेली-कुंड-माजरी-गन्डाला-भिठेडा
8. शाहजहापुर- नीमराना

+91 94611 24365 | CampusDarpan.com | CareerMirror.co.in

Organiser: BUSINESS EXPO ORGANIZATION Pvt. Ltd., Reg. Office: Z-181, Jaipur Greens, Ajmer Road, Jaipur RAJ. - 302 026 | Media Partner: CAREER MIRROR, NH 48, Choraha, Chaudhary Complex, BEHROR, Kotputli-Behror, Rajasthan, 301 701.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्राइट फ्यूचर एकैडमी में भव्य कार्यक्रम : महिलाओ को सम्मानित किया गया

बड़ौद (बहरोड़): कस्बे के अलवर – बहरोड़ मुख्य राजमार्ग पर स्थित ब्राइट फ्यूचर चिल्ड्रन एकेडमी एंड इंस्टीट्यूट में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा उपस्थित सभी महिलाओं का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। महिला सशक्तिकरण को समर्पित इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें अंताक्षरी, प्रश्नोत्तरी, नृत्य, गायन और भाषण प्रतियोगिताएं मुख्य रहीं। महिलाओं ने इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सम्मान और पारितोषिक वितरण: प्रतियोगिताओं के विजेताओं को विद्यालय की ओर से उचित पारितोषिक प्रदान किए गए। साथ ही, कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागी महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल की निदेशिका प्रियंका संजय चौधरी, सहनिदेशक सत्यवीर यादव, और निर्णायक मंडल की सदस्याएं रेखा गोयल, रेणुका यादव व वंदना यादव मौजूद रहीं। इसके साथ ही क्षेत्र की प्रमुख समाजसेवी महिलाएं, स्थानीय महिलाएं और स्कूल का समस्त स्टाफ इस भव्य आयोजन का साक्षी बना।

व्यक्तित्व: तिलका मांझी (संथाल ऑपरेशन के महानायक)

भारत का अतिथि इतिहास वर्तमान और भविष्य आदिवासी समाज की बिना पूरा नहीं होता देश की आजादी की लड़ाई का पक-पक इतिहास का पन्ना आदिवासी वीरता से भरा पड़ा है ऐसे ही कुछ नायक थे तिलका मांझी जिन्होंने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की ज्यादतियों के खिलाफ संघर्ष किया और विदेशी हुकूमत के खिलाफ संग्राम का बिगुल फूंक दिया वह भी तब जब अंग्रेजों के खिलाफ कहीं कोई विद्रोह की बात नहीं हो रही थी 1857 की क्रांति से भी पहले 1784 में संथाल में उनके नेतृत्व में दामिन सत्याग्रह लड़ा गया था वैसे समय था जब अंग्रेज किसी में किसी तरह से अपना विस्तार करते जा रही थी मां भारती को धीरे-धीरे जंजीरों की बेड़ियों में जकड़ने का प्रयासरत थे।

11 फरवरी को 1750 को बिहार में भागलपुर के सुल्तानगंज में एक संथाल परिवार में जन्मे तिलका मांझी नहीं अपने बहादुरी के दम पर केवल अंग्रेजों के नाक में दम कर दिया बल्कि अंग्रेजी शासको को जीते जी कभी चैन की नींद सोने नहीं दिया मांझी का असल नाम जाबरा पहाड़ियाँ बताया जाता है कहते है कि तिलका नाम उन्हें अंग्रेजों ने दिया था एक बार एक अंग्रेज ने उनकी घूरती लाल आँखो में देखा था दरअसल पहाड़िया भाषा में तिलका का

तिलका मांझी को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है।

अर्थ गुस्सैल और लाल लाल आँखों वाला व्यक्तित होता है दस्तावेजों में यह उनकी पहचान बन गई और इतिहास में तिलका नाम अमर हो गया ब्रिटिश सत्ता के विरूद्ध लंबा संघर्ष करने वाले तिलका मांझी ने अंग्रेजों के सामने कभी भी समर्पण नहीं किया न ही कभी झुके और न ही डरे, उन्होंने न केवल अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंफा था बल्कि उन्होंने स्थानीय सूदखोरों जमींदारी के खिलाफ भी मुहिम छेड़ी थी 1778 में उन्होंने पहाड़िया सरदारों से मिलकर रामगढ़ कैंप को अंग्रेजों से मुक्त करवाया 1784 में राजमहल के मजिस्ट्रेड क्लीवलैंड को मार डाला इसके बाद अंग्रेज उनके पीछे पड़ गये और आखिरकार उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया गिरफ्तारी के बाद अंग्रेज उन्हें घोड़े से बांधकर घसीटते हुए भागलपुर ले गये 13 जनवरी 1785 को भागलपुर के चौराहे पर एक विशाल वटवृक्ष में लटका कर फांसी दे दी यही वजह है कि **तिलका मांझी को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है।** तिलका मांझी के नाम पर भागलपुर विश्वविद्यालय है साथ ही बांग्ला की सुप्रसिद लेखिका महास्विता देवी ने उनके जीवन और विद्रोह पर बांग्ला भाषा में एक उपन्यास शालगिरर डाके की रचना की है जिसे हिंदी में सालगिरह की पुकार पर नाम से अनुवादित और प्रकाशित किया गया है 29 अक्टूबर 2023 को प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में तिलका मांझी को याद किया था उन्होंने कहा था कि भारतवर्ष में आदिवासी योद्धाओं को समुद्र इतिहास रहा है इसी भारत भूमि पर महान तिलका मांझी ने न्याय के खिलाफ बिगुल फूंका था साथ ही 24 फरवरी 2025 को बिहार की भागलपुर में विकास कार्यों को शुभारंभ अवसर पर भी उन्होंने कहा था कि इस धरती मैं आस्था भी है विरासत भी है और विकसित भारत का सामर्थ्य है भी है यह सही तिलका मांझी की धरती है यह सिल्क सिटी भी है इतना ही नहीं उन्होंने अन्य अवसरों पर भी तिलका मांझी को श्रद्धापूर्वक नमन किया है।

व्यक्तित्व: बुधु भगत (लरका ऑपरेशन महानायक)

लड़का विद्रोह के चिंगारी भड़काने वाले प्रसिद्ध क्रांतिकारी बुधु भगत ऐसे क्रांतिकारी थे जिन्होंने एक कुल्हाड़ी लेकर ब्रिटिश सरकार की तोपों और बंदूकों का मुकाबला किया झारखंड के रांची जिले में सिलागाई गांव में एक उरांव परिवार में 17 फरवरी 1992 को जन्मे बुधु भगत के बारे में कहा जाता है कि देवीय शक्तियां प्राप्त थी जिनके प्रति स्वरूप में एक कुल्हाड़ी हमेशा अपने साथ रखते थे बुधु भगत की संगठन क्षमता को देखकर लोग उन्हें देवता का अवतार समझते थे उन्होंने सिल्ली चोरेया पिठौरिया लोहरदगा और पलामू में भी संगठन का काम किया था।

कुशल संगठनकर्ता के साथ-साथ उन्होंने अपने दस्ते को गोरिल्ला युद्ध के भी प्रशिक्षित किया घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों का फायदा उठाकर कई बार अंग्रेजी सेना को उन्होंने परास्त किया वे बचपन से ही तलवारबाजी और धनुर्विद्या का अभ्यास करते थे उन्होंने अंग्रेजों के चाटुकार जमींदारों दलालों के विरुद्ध भूमि और वन सुरक्षा के लिए भी जंग छेड़ी थी इतना ही नहीं अपने साहस और नेतृत्व क्षमता के दम पर उन्होंने आदिवासी इलाकों में अंग्रेजी हुकूमत की बर्बरता के खिलाफ लड़का विद्रोह का सूत्र हर हथियारबंद विद्रोह का भी नेतृत्व किया था कहा जाता है कि बुधु भगत का छोटा नागपुर के रांची और आसपास के इलाकों पर जबरदस्त असर था लोग उन्हें एक इशारे पर अपनी जान तक देने के लिए तैयार रहते थे बुधु भगत का सैनिक अड्डा चोगरी पहाड़ी की चोटी पर घने जंगलों के बीच था

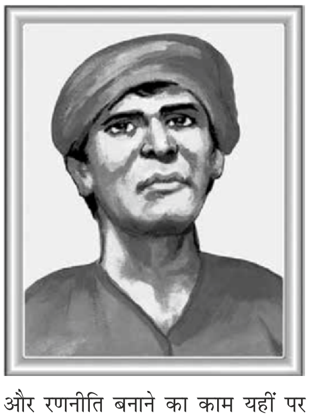

और रणनीति बनाने का काम यहीं पर होता था एक समय ऐसा भी आया जब उनकी वीरता और स से तंग आकर अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ने के लिए 1000रू. इनाम की घोषणा की थी जो उसे जमाने में बहुत बड़ी राशि थी 13 फरवरी 1832 को बुद्धू और उनके साथियों को कैप्टन इंपे ने सिलागाई गांव में घेर लिया बुद्धू आत्मसर्पण करना चाहते थे क्योंकि अंग्रेजों की ओर से हो रही अंधाधुंध गोलीबारी में निर्दोष ग्रामीण ने मार जाए लेकिन बुधु भगत के अनुयानियों ने वृताकार सुरक्षा कवच बना लिया इस बीच अंग्रेजी कप्तान ने गोली चलाने का आदेश दे दिया अंधाधुंध गोलियां चलने लगी और बूढ़े बच्चे महिलाओं एवं युवाओं के भीषण चीत्कार से इलाका कैफ उठा उन खूनी तांडव में करीब 300 ग्रामीण मारे गये अन्याय के विरुद्ध जन विद्रोह को हथियार के बल पर जबरन खामोश कर दिया गया बुधु भगत तथा उनके बेटे हालधर और गिरधर भी अंग्रेजी से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हुए आज भी लोग अपनी लोक कथाओं और लोक गीतों में वीर बुधु भगत और उनके सहयोगी को याद करते है यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम ने उनके योगदान और लोकप्रियता को दर्शाता है।

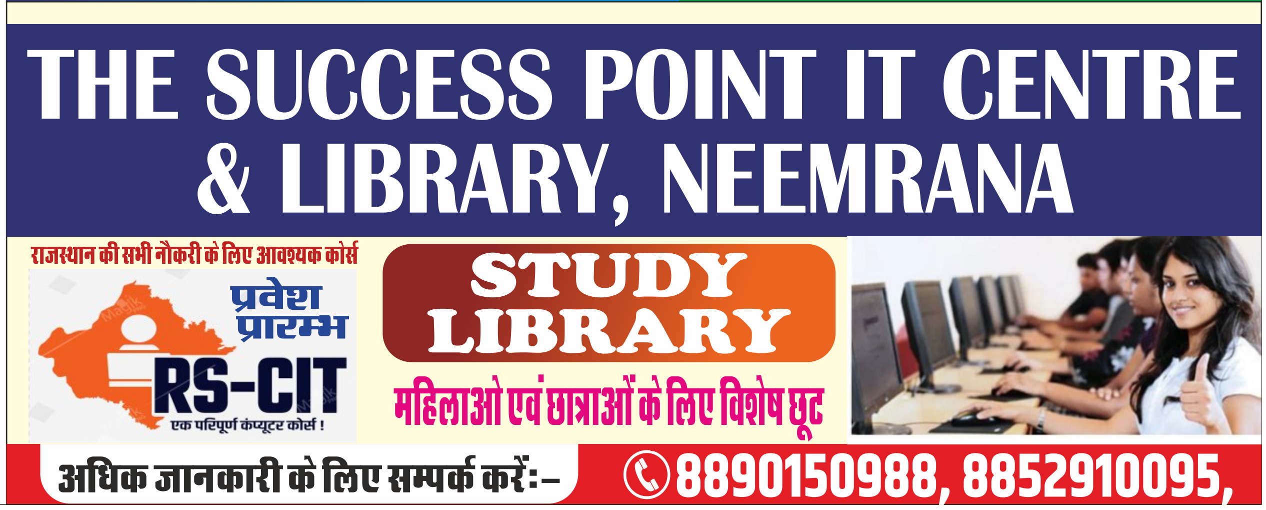

CAREER MIRROR

करिअर मिरर

RNI: RJBIL/2013/54049

■ सामान्य ज्ञान ■ करंट अफेयर्स ■ रोजगार समाचार ■ अन्तरराष्ट्रीय घटनाऐं ■ आलेख ■ भाषा ज्ञान ■ व्यक्ति परिचय ■ कैम्पस दर्पण

newsdesk@CareerMirror.co.in

कोटपूतली-बहरोड़, राजस्थान से प्रकाशित

ALWAR, RAJASTHAN | FRIDAY, 20 March, 2026

Special Edition

तीन दिवस, 50 + संस्थाएं, 25 करिअर सेमिनार

कैम्पस दर्पण 2026

करिअर समिट

शिक्षा मेला

17 18 19 APRIL 2026

विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा दिखने व आत्मविश्वास बनाने का सुनहरा अवसर

विद्यार्थी न्यूज़ पेपर की नि:शुल्क प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा निखारें

विद्यार्थी के लिए सीखने और कुशल बनने का सर्वश्रेष्ठ तरीका है निरन्तर अभ्यास। **करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान। रसरी आवत-जात तें, सिल पर परत निसान।'** कवि वृंद द्वारा रचित यह प्रसिद्ध दोहा निरंतर अभ्यास के महत्व को बताता है। इसका अर्थ है कि बार-बार अभ्यास करने से मूर्ख या मंदबुद्धि व्यक्ति भी समझदार बन सकता है, ठीक वैसे ही जैसे कुएं पर रस्सी के बार-बार आने-जाने से कोमल रस्सी की रगड़ से कठोर पत्थर (सिल) पर भी निशान पड़ जाता है। विद्याथियों के इस लाभ को धयान में रखते हुए ही न्यूज पेपर द्वारा ये 3 प्रकार की नि:शुल्क प्रतियोगिता आयोजित की जा रही हैं।

1. क्विज कॉम्पिटीशन
2. निबन्ध प्रतियोगिता
3. ऑनलाईन डिबेट कॉम्पिटीशन

वर्तमान में तीनो का माध्यम हिन्दी ही रखा गया है शीघ्र ही अंग्रजी माध्यम में भी ये सभी प्रतियोगिताऐं आयोजित की जाऐगी। चूकि न्यूज पेपर की आवृती पाक्षिक है अत: ये तीनों क्विज भी पाक्षिक ही रखी गयी हैं।

क्विज में कैसे भाग लें: (एक बार रजिस्ट्रेशन करना होगा।) किसी भी क्विज में भाग लेने के लिए सर्वप्रथम वेबसाइट **CareerMirror.co.in** पर **QUIZ** में एक बार रजिस्ट्रेशन करें और वहां से प्राप्त रोल नंबर के माध्यम से अपने जवाब हमें भेजें। एक बार आपको रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा करना होगा ताकि आपकी प्रविष्ठी के लिए एक रोल नम्बर दिया जा सके यह प्रक्रिया अधिकतम 2-3 मिनट की है। ये सभी प्रतियोगिताऐं नि:शुल्क है। इसके लिए आप वेबसाइट **CareerMirror.co.in** पर जाएं **QUIZ** क्षेत्र में रजिस्टर ऑप्शन पर क्लिक करें और वहां पर अपना नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल, विद्यालय का नाम, अपनी कक्षा इत्यादि विवरण दर्ज करें और रजिस्ट्रेशन करें। इस प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद आपको रोल नंबर और एक पिन नंबर वहीं स्क्रीन पर दे दिया जाएगा इन दोनों नम्बर के माध्यम से इन प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेगे। ध्यान रखें यहां एक बार ही रजिस्टर करना होता है। रजिस्ट्रेशन का स्क्रीनशॉट आप अपने पास रख ले।

कौन भाग ले सकते है: कोई भी विद्यार्थी किसी भी कक्षा का।

कब तक भाग ले सकते हैं: प्रकाशित होने के 21 दिन (तीन सप्ताह) तक, उसके बाद **QUIZ** विनर का लक्की ड्रा द्वारा चयन किया जाता है। आप हर **QUIZ** में भाग लें सकते हैं।

क्या जवाब देने में AI का प्रयोग कर सकते हैं: हां आप AI की सहायता ले सकते हैं पर आप को जवाब अपने स्तर पर देना है पूर्णत: AI के द्वारा दिए गए उत्तर प्रतियोगिता में निरस्त कर दिए जायेगे।

1. क्विज कॉम्पिटीशन

क्विज कॉम्पिटीशन:

क्विज में भाग लेने के लिए क्विज में दिए गए 5 प्रश्नों मे से अपनी पसंद के 2 प्रश्नों का चयन करें और 200 से 250 शब्दों में एक सफेद A4 कागज पर लिखकर हमें ईमेल करें। सर्वश्रेष्ठ जवाब देने वाले को पुरस्कार दिया जाएगा व समाचार पत्र में प्रकाशित भी किया जाएगा।

2 . निबंध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता:

निबन्ध प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपनी पसंद के विषय का चयन करें और 400 से 500 शब्दों में एक-दो सफेद A4 कागज पर लिखकर ई-मेल करें। सर्वश्रेष्ठ जवाब देने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा और उसके जवाब को समाचार पत्र में प्रकाशित भी किया जाएगा।

3. ऑनलाइन डिबेट कॉम्पिटीशन

ऑनलाईन डिबेट कॉम्पिटीशन:

डिबेट कंपटीशन के दिए गए विषय में से चयन करें तथा पक्ष या विपक्ष में अपना 200-250 शब्दों में एक लेख लिखें।

सर्वप्रथम क्रमश: रोल नम्बर, क्विज नम्बर, अपना नाम, विद्यालय का नाम - उसके बाद 2 सेकंड के लिए शांत रहे फिर अपने 200-250 शब्दों के लेख को आपकी सामान्य आवाज में विडियो रिकॉर्ड करें। प्रयास करें कि आसपास के शोरगुल से दूर रहे और वीडियो में आपका चेहरा स्पष्ट रूप से नजर आए ध्यान रहे की वीडियो किसी भी तरह से कटे नहीं और आप पासपोर्ट साइज फोटो जितने फ्रेम में रहे वीडियो को रिकॉर्ड करने के बाद जी ड्राइव (Google Drive)के माध्यम से आप हमें सेंड करें।

www.CareerMirror.co.in
www.YouTube.com/@CareerMirror
quiz.careermirror@gmail.com
+91 9462 520 220

सामान्य निर्देश: क्विज कम्पीटीशन: एक सफेद **A4** कागज पर सबसे पहले RollNo-QuizNo, अपना नाम और प्रश्न लिखे उसके बाद 200 से 250 शब्दों के बीच में जवाब लिखें। मोबाइल या कम्प्यूटर से स्कैन करके ई-मेल करें।

निबन्ध प्रतियोगिता: एक-दो सफेद **A4** कागज पर सबसे पहले RollNo-QuizNo, अपना नाम और निबन्ध विषय लिखे उसके बाद 400 से 500 शब्दों के बीच में जवाब लिखें। मोबाइल या कम्प्यूटर से स्कैन करके ई-मेल करें।

ऑनलाईन डिबेट कम्पीटीशन: वीडियो फाइल का नाम आप अपने रोल नंबर (RollNo-QuizNo) व क्विज नम्बर के बीच में "-" लगा कर करें। यह पूरी प्रक्रिया सरल है आप इसके लिए डेमो वीडियो से भी समझ सकते हैं। क्यूआर कोड को स्केन करें या न्यूज पेपर के YouTube चैनल पर डेमों विडियो देखें। www.YouTube.com/@CareerMirror/ जैसे कि आपका रोल नंबर 12345 है और क्विज नम्बर 0321 है तो डिबेट में दिए गए विषय का नंबर जो कि उसे पर दिया गया है उसको दोनों को जोड़कर बीच में डैस लगा दे। (12345-0321) इस वीडियो को गूगल ड्राइव द्वारा ई-मेल quiz.careermirror@gmail.com पर भेज दे।

क्विज नम्बर - क्विज कॉम्पिटीशन के लिए प्रश्न: (किन्ही दो प्रश्नों का चयन करें)

0311 - डिजिटल शिक्षा के लाभ और हानि पर अपने विचार लिखिए।
0312 - खेल-कूद का छात्रों के जीवन में क्या महत्व है?
0313 - "आत्मनिर्भर भारत" का क्या अर्थ है? इसमें युवाओं की भूमिका क्या हो सकती है?
0314 - समय प्रबंधन (Time Management) क्यों जरूरी है? विद्यार्थी इसे कैसे अपनाएं?
0315 - क्या सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ (Sports/Fine Arts) पढ़ाई जितनी ही महत्वपूर्ण हैं?

क्विज नम्बर - निबन्ध प्रतियोगिता के लिए विषय: (एक विषय का चयन करें)

0321 - नई शिक्षा नीति (NEP 2020) का प्रभाव
0322 - पर्यावरण संरक्षण और हमारी जिम्मेदारी
0323 - ग्रामीण और शहरी जीवन की तुलना

क्विज नम्बर - ऑनलाईन डिबेट कॉम्पिटीशन के लिए विषय: पक्ष या विपक्ष में अपने विचार रखें। (एक विषय एक पक्ष का चयन करें)

0331 - सोशल मीडिया का विद्यार्थियों पर क्या प्रभाव पड़ता है?
0332 - क्या ऑनलाइन शिक्षा पारंपरिक शिक्षा से बेहतर है?
0333 - क्या मोबाइल फोन का उपयोग विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है?

तीन दिवस, 50 + संस्थाएं, 25 करिअर सेमिनार

कैम्पस दर्पण 2026

करिअर समिट 2026 - 1

17 18 19 APRIL 2026

FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY

कक्षा 5 से कॉलेज तक के सभी विद्यार्थी व अभिभावकों के लिए

3 दिवस के लिए सभी प्रमुख शिक्षण संस्थान बहरोड़ में एक छत के नीचे

नवोदय / म्लिट्री /सैनिक स्कूल बोर्डिंग स्कूल डिग्री कॉलेज डिस्टेंस एजुकेशन स्पोर्ट्स अकैडमी

फार्मेसी कॉलेज पैरा मेडिकल कॉलेज होटल मैनेजमेंट फ़ायर & सेफ्टी इंज. जर्नलिज्म फैशन डिजाइनिंग

सभी प्रकार के कोचिंग संस्थान NEET, IIT-JEE, NDA, JET, CUET

कोटपुतली - बहरोड़ जिला क्षेत्र
खैरथल - तिजारा जिला क्षेत्र
महेंद्रगढ़ - नारनौल जिला क्षेत्र

सीकर कोटा
जयपुर अलवर

50KM तक नि:शुल्क बस सुविधा

Free Online Registration
www.CampusDarpan.com
+91 94611 24365
Free for First 1000 Students.

इन सभी शहरों से स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, यूनिवर्सिटी व अन्य सभी शैक्षिक संस्थाएं

कोटपुतली - बहरोड़ करिअर समिट व शिक्षा मेला 2026

करिअर समिट 2026 - 1
17 18 19 APRIL 2026
FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY
तीन दिवस, 50 + संस्थाएं, 25 करिअर सेमिनार
फार्मेसी कॉलेज पैरा मेडिकल कॉलेज
होटल मैनेजमेंट फ़ायर & सेफ्टी इंज.
नवोदय / म्लिट्री /सैनिक स्कूल बोर्डिंग स्कूल डिग्री कॉलेज डिस्टेंस एजुकेशन स्पोर्ट्स अकैडमी
सभी प्रकार के कोचिंग संस्थान NEET, IIT-JEE, NDA, JET, CUET
कोटपुतली - बहरोड़ करिअर समिट व शिक्षा मेला 2026
Free Online Registration
www.CampusDarpan.com
+91 94611 24365

यूसीसी: समान नागरिक संहिता पूरे देश के लिये एक समान कानून समय की जरूरत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 11 मार्च, 2024 को उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (UCC) विधेयक को मंजूरी दे दी, जिससे यह कानून बन गया और उत्तराखंड आजादी के बाद UCC अपनाने वाला भारत का पहला राज्य बन गया। यह अधिनियम, जिसे 7 फरवरी, 2024 को राज्य विधानसभा ने पारित किया था, विवाह, तलाक, विरासत और लिव-इन संबंधों को नियंत्रित करता है, जिसमें अनुसूचित जनजातियों को छूट दी गई है।

समान नागरिक संहिता पूरे देश के लिये एक समान कानून के साथ ही सभी धार्मिक समुदायों के लिये विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने आदि कानूनों में भी एकरूपता प्रदान करने का प्रावधान करती है।

संविधान के अनुच्छेद 44 में वर्णित है कि राज्य भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिये एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। अनुच्छेद-44, संविधान में वर्णित राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों में से एक है। अनुच्छेद 44 का उद्देश्य संविधान की प्रस्तावना में निहित ष्धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्यष की अवधारणा को मजबूत करना है।

पृष्ठभूमि: समान नागरिक संहिता (UCC) की अवधारणा का विकास औपनिवेशिक भारत में तब हुआ, जब ब्रिटिश सरकार ने वर्ष 1835 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें अपराधों, सबूतों और अनुबंधों जैसे विभिन्न विषयों पर भारतीय कानून के संहिताकरण में एकरूपता लाने की आवश्यकता पर बल दिया गया, हालाँकि रिपोर्ट में हिंदू व मुसलमानों के व्यक्तिगत कानूनों को इस एकरूपता से बाहर रखने की सिफारिश की गई।

ब्रिटिश शासन के अंत में व्यक्तिगत मुद्दों से निपटने वाले कानूनों की संख्या में वृद्धि ने सरकार को वर्ष 1941 में हिंदू कानून को संहिताबद्ध करने के लिये बी.एन. राव समिति गठित करने के लिये मजबूर किया।

इन सिफारिशों के आधार पर हिंदुओं, बौद्धों, जैनों और सिखों के लिये निर्वसीयत उत्तराधिकार से संबंधित कानून को संशोधित एवं संहिताबद्ध करने हेतु वर्ष 1956 में हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के रूप में एक विधेयक को अपनाया गया।

हालाँकि मुस्लिम, इसाई और पारसी लोगों के लिये अलग-अलग व्यक्तिगत कानून थे।

कानून में समरूपता लाने के लिये विभिन्न न्यायालयों ने अक्सर अपने निर्णयों में कहा है कि सरकार को एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करना चाहिये।

प्राय: यह तर्क दिया जाता है 'ट्रिपल तलाक' और बहुविवाह जैसी प्रथाएँ एक महिला के सम्मान तथा उसके गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं, केंद्र ने सवाल उठाया है कि क्या धार्मिक प्रथाओं को दी गई संवैधानिक सुरक्षा उन प्रथाओं तक भी विस्तारित होनी चाहिये जो मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती हैं।

भारत में समान नागरिक संहिता की स्थिति: वर्तमान में अधिकांश भारतीय कानून, सिविल मामलों में एक समान नागरिक संहिता का पालन करते हैं, जैसे- भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872, नागरिक प्रक्रिया संहिता, संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम, 1882, भागीदारी अधिनियम, 1932, साक्ष्य अधिनियम, 1872 आदि।

हालाँकि राज्यों ने कई कानूनों में संशोधन किये हैं परंतु धर्मनिरपेक्षता संबंधी कानूनों में अभी भी विविधता है। हाल ही में कई राज्यों ने एक समान रूप से मोटर वाहन अधिनियम, 2019 को लागू करने से इनकार कर दिया था। **गोवा में प्रारंभ से ही भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ UCC लागू है।**

समाज के संवेदनशील वर्ग को संरक्षण: समान नागरिक संहिता का उद्देश्य महिलाओं और धार्मिक अल्पसंख्यकों सहित संवेदनशील वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जबकि एकरूपता से देश में राष्ट्रवादी भावना को भी बल मिलेगा।

कानूनों का सरलीकरण: समान नागरिक संहिता विवाह, विरासत और उत्तराधिकार समेत विभिन्न मुद्दों से संबंधित जटिल कानूनों को सरल बनाएगी। परिणामस्वरूप समान नागरिक कानून सभी नागरिकों पर लागू होंगे, चाहे वे किसी भी धर्म में विश्वास रखते हों।

धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को बल: भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द सन्निहित है और एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य को धार्मिक प्रथाओं के आधार पर विभेदित नियमों के बजाय सभी नागरिकों के लिये एक समान कानून बनाना चाहिये।

लैंगिक न्याय: यदि समान नागरिक संहिता को लागू किया जाता है, तो वर्तमान में मौजूद सभी व्यक्तिगत कानून समाप्त हो जाएंगे, जिससे उन कानूनों में मौजूद लैंगिक पक्षपात की समस्या से भी निपटा जा सकेगा।

चुनौतियाँ: विविध व्यक्तिगत कानून: विभिन्न समुदायों के बीच रीति-रिवाज बहुत भिन्न होते हैं।

यह भी एक मिथक है कि हिंदू एक समान कानून द्वारा शासित होते हैं। उत्तर में निकट संबंधियों के बीच विवाह वर्जित है लेकिन दक्षिण में इसे शुभ माना जाता है।

संविधान द्वारा नगालैंड, मेघालय और मिजोरम के स्थानीय रीति-रिवाजों को सुरक्षा दी गई है।

व्यक्तिगत कानूनों की अत्यधिक विविधता (जिस भाव के साथ उनका पालन किया जाता है) किसी भी प्रकार की एकरूपता को प्राप्त करना बहुत कठिन बना देते हैं। विभिन्न समुदायों के बीच साझे विचार स्थापित करना जटिल कार्य है।

सांप्रदायिकता की राजनीति: कई विश्लेषकों का मत है कि समान नागरिक संहिता की मांग केवल सांप्रदायिकता की राजनीति के संदर्भ में की जाती है।

समाज का एक बड़ा वर्ग सामाजिक सुधार की आड़ में इसे बहुसंख्यकवाद के रूप में देखता है।

विधि: सूचना का अधिकार, कानून

भारत में, सूचना का अधिकार अधिनियम मुख्य रूप से राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और श्रमिकों के उत्थान के लिए काम करने वाले एक गैर-पक्षपाती और गैर-सरकारी संगठन मजदूर किसान शक्ति संगठन (एमकेएसएस) के प्रयासों के जरिए अस्तित्व में आया। जब इन श्रमिकों को भ्रष्टाचार के व्यवस्थित उदाहरणों की एक श्रृंखला का सामना करना पड़ा, तो वे सरकार की सूचना तिजोरी खोलने और पंचायतों में सार्वजनिक कार्यों की सूची, वाउचर, बिल और मस्टर जैसे अपने वेतन कार्य

के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए वर्ष 1996में ब्यावर में एक ऐतिहासिक 40-दिवसीय विरोध प्रदर्शन पर बैठे। इस संघर्ष को देखकर गांधीवादी झुकाव वाले हिंदी पत्रकार प्रभाष जोशी ने इन लोगों के संघर्षों को अपना मजबूत समर्थन देने का संकल्प लिया और जनसत्ता अखबार में एक संपादकीय लिखा, जिसका शीर्षक था: 'हम जानेंगे, हम जिएंगे', जो बाद में एक लोकप्रिय नारा बन गया 'जानने का अधिकार और जीने का अधिकार'।

भारत में आरटीआई का उदभव: 2005 में आरटीआई अधिनियम के लागू होने से पहले, सरकार से जानकारी प्राप्त करने के सभी प्रारंभिक तरीके जटिल थे और अक्सर इसमें विस्तृत न्यायिक प्रक्रियाएं और सरकारी अधिकारियों के आधिकारिक उचित परिश्रम शामिल होते थे। सूचना जारी करना सरकारी तिजोरियों से सोने के भंडार को बाहर निकालने जैसा था। यह सारी ईमानदारी अनावश्यक थी, जो ब्रिटिश शासकों द्वारा सूचनाओं को छिपाने और सत्ता बनाए रखने के लिए एक अप्रचलित दृष्टिकोण के रूप में अधिक थी।

नागरिकों को सूचना तक पहुंच प्रदान करना संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (1948) के अनुच्छेद 19द्वारा गारंटीकृत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के बराबर एक सुपरिभाषित अधिकार है। महत्वपूर्ण रूप से, यह लेख ऐतिहासिक घटनाओं पर संपूर्ण नहीं हो सकता है जिसके कारण भारत में आरटीआई अधिनियम का जन्म हुआ, फिर भी उन घटनाओं में से कई को समाहित करने का ईमानदारी से प्रयास किया गया है, जो आज लागू होने वाले अंतिम आरटीआई अधिनियम के अग्रदूत थे। यहां इसमें जो कुछ सम्मिलित किया गया है, उसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण घटनाएं और योगदान भी हो सकते हैं।

प्रारंभ में, सरकार के कार्यों के बारे में सूचना का अधिकार पहली बार उत्तर प्रदेश राज्य बनाम राज नारायण के 1975 के मामले में कई अदालती कार्यवाहियों में प्रतिध्वनित हुआ था, जिसमें न्यायमूर्ति केके मैथ्यू के नेतृत्व वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इस पर ष्दौरे पर या यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री की सुरक्षा के लिए नियम और निर्देश शीर्षक वाली ब्लू बुक का खुलासा इस नागरिक को करने का आदेश दिया था। इसके साथ ही, माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि इस श्ब्लू बुकश से दस्तावेजों का हिस्सा इस नागरिक के सामने प्रकट किया जाए क्योंकि नागरिक को जानने का अधिकार है और यह सार्वजनिक हित में था। इसी तरह के कई मामलों के बाद, नागरिकों को सरकारी सूचनाओं तक मुफ्त पहुंच प्रदान करने की बहस तेज हो गई।

इसके अलावा, 1977में भारत के अवरुद्ध सूचना गलियारों के आसपास हंगामा फिर से शुरू हो गया जब मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने सरकारी सूचनाओं को जनता तक पहुँचाने के संबंध में कदम बढ़ाते हुए ब्रिटिश शासकों द्वारा अधिनियमित आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923की उपयोगिता का पता लगाने के लिए एक कार्यदल का गठन किया, जिसे तब सबसे बड़ी बाधा माना जाता था। कुछ साल बाद 1989-90में, तत्कालीन प्रधान मंत्री वीपी सिंह सूचना जारी करने के महत्व को पहचानने वाले पहले राजनेता बने और एक कानून बनाने का प्रयास किया, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता ने इस प्रयास को विफल कर दिया।

... शेष पृष्ठ 8 पर

भारत के स्वंणिम संस्थान: नालंदा विश्वविद्यालय

नालंदा इस सत्य की घोषणा है कि किताबें भले ही आग की लपटों में जल जाएँ, लेकिन आग ज्ञान को नहीं बुझा सकती।आठ शताब्दियों से अधिक समय से एशिया भर के विद्वानों को आकर्षित करने वाले एक हलचल भरे बौद्धिक केंद्र की कल्पना करें। नालंदा केवल शिक्षा का स्थान नहीं था; यह विचारों का एक ऐसा संगम था, जो दर्शन से लेकर खगोल विज्ञान तक के विषयों पर चर्चा को बढ़ावा देता था। दुख की बात है कि यह बौद्धिक प्रकाश स्तंभ सदियों पहले नष्ट हो गया था।

हालाँकि, नालंदा की कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इसके राजसी खंडहरों से एक शक्तिशाली सपना उभरा: ज्ञान के इस प्राचीन केंद्र को पुनर्जीवित करना और आधुनिक दुनिया के लिए इसकी लौ

को फिर से जलाना। यह नालंदा विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय यात्रा है, जो सीखने की स्थायी शक्ति और खोई हुई विरासत को पुन: प्राप्त करने की खोज का प्रमाण है। नालंदा विश्वविद्यालय के इतिहास पर एक नजर ख गुप्तकालीन सम्राट कुमारगुप्त प्रथम ने 415-454 ईस्वी में नालन्दा विश्वुविद्यालय की स्थापना की थी। • नालंदा शब्द संस्कृत के 'नालम् + दा' से बना है। संस्कृत में 'नालम' का अर्थ कमल होता है, जिसे ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। नालम् + दा यानी कमल देने वाली, ज्ञान देने वाली। कुछ समय पश्चात परिसर में महाविहार की स्थादपना के बाद इसका नाम 'नालंदा महाविहार' रखा गया। नालन्दा विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के लिए जावा, चीन, तिब्बत और श्रीलंका व कोरिया आदि के छात्र आते थे। ख जब चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत यात्रा पर आया था। उस समय नालन्दा विश्वविद्यालय में लगभग 8500 छात्र एवं 1510 अध्यापक थे। इसके प्रख्यात अध्यापकों में शीलभद्र, धर्मपाल, चन्द्रपाल, गुणमति, स्थिरमति, प्रभामित्र, जिनमित्र, ज्ञानचंद्र, नागार्जुन, वसुबंधु, असंग धर्मकीर्ति आदि थे। • विदेशी यात्रियों के वर्णन के अनुसार नालन्दा विश्वविद्यालय में छात्रों के रहने की बेहद उत्तम व्यवस्था का उल्लेख मिलता है।

• इतिहासकारों के अनुसार यहाँ आठ शालाएं और 300 कमरे थे। परिसर के कई खंडों में विद्यालय तथा छात्रावास भी थे। जब नालन्दा विश्वविद्यालय की खुदाई की गई तब उसकी विशालता और भव्यता का ज्ञान हुआ। यहाँ के भवन विशाल, भव्य और सुंदर थे। यहाँ तांबे एवं पीतल की बुद्ध की मूर्तियों के प्रमाण मिलते हैं। • तत्कालीन पुस्तकों के अनुसार विद्यार्थियों का प्रवेश नालंदा विश्वविद्यालय में जटिल चयन प्रक्रिया द्वारा होता था जिससे केवल उच्च गुणवत्ता वाले विद्यार्थियों को ही प्रवेश मिल पाता था था। ख नालंदा 7वीं सदी से लेकर कई सौ वर्षों तक एशिया तथा विश्व का

... शेष पृष्ठ 8 पर..

CAREER MIRROR

करिअर मिरर

RNI: RJBIL/2013/54049

■ सामान्य ज्ञान ■ करंट अफेयर्स ■ रोजगार समाचार ■ अन्तरराष्ट्रीय घटनाऐं ■ आलेख ■ भाषा ज्ञान ■ व्यक्ति परिचय ■ कैम्पस दर्पण

newsdesk@CareerMirror.co.in | कोटपूतली–बहरोड़, राजस्थान से प्रकाशित

ALWAR, RAJASTHAN | FRIDAY, 20 March, 2026 | Special Edition

Scan QR for Latest Online ePaper

तीन दिवस, 50 + संस्थाएं, 25 करिअर सेमिनार

कैम्पस दर्पण 2026

करिअर समिट 2026 - 1

17 18 19 APRIL 2026

FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY

कक्षा 5 से कॉलेज तक के सभी विद्यार्थी व अभिभावकों के लिए

3 दिवस के लिए सभी प्रमुख शिक्षण संस्थान बहरोड़ में एक छत के नीचे

नवोदय / म्लिट्री /सैनिक स्कूल बोर्डिंग स्कूल डिग्री कॉलेज डिस्टेंस एजुकेशन स्पोर्ट्स अकैडमी

फार्मेसी कॉलेज पैरा मेडिकल कॉलेज होटल मैनेजमेंट फ़ायर & सेफ्टी इंज. जर्नलिज्म फैशन डिजाइनिंग

सभी प्रकार के कोचिंग संस्थान NEET, IIT-JEE, NDA, JET, CUET

कोटपुतली - बहरोड़ जिला क्षेत्र

खैरथल - तिजारा जिला क्षेत्र

महेंद्रगढ़ - नारनौल जिला क्षेत्र

सीकर कोटा

जयपुर अलवर

इन सभी शहरों से स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, यूनिवर्सिटी व अन्य सभी शैक्षिक संस्थाएं

50KM तक नि:शुल्क बस सुविधा

Free Online Registration

www.CampusDarpan.com

+91 94611 24365

Free for First 1000 Students.

कोटपुतली - बहरोड़ करिअर समिट व शिक्षा मेला 2026

बर्डोंद में टाइम्स करिअर इंस्टिट्यूट का शुभारम्भ

बर्डोंद (बहरोड़) 18 मार्च 2026 को बहरोड़ में टाइम्स कोचिंग क्लासेस प्राइवेट लिमिटेड की नई शाखा टाइम्स करियर इंस्टीट्यूट का भव्य शुभारंभ किया गया। यह संस्थान क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं (IIT-JEE, NEET, NDA) की बेहतर तैयारी के उद्देश्य से शुरू किया गया है। कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य नागरिकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। सभी ने संस्थान के ब्० एवं संस्थापक अरुण यादव और निदेशक डॉ. राजेंद्र को इस नई पहल के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उद्घाटन समारोह का शुभारंभ श्री अरुण यादव के माता–पिता द्वारा फीता काटकर किया गया, जो संस्थान के मूल्यों और संस्कारों को दर्शाता है। निदेशक डॉ. राजेंद्र ने बताया कि यहां कक्षा 11वीं से ही विद्यार्थियों को CBSE एवं RBSE बोर्ड की पढ़ाई के साथ–साथ Pre-foundation with 9th & 10th Class, Foundation 11th & 12th For JEE-IIT, NEET, NDA तथा

अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की समग्र एवं व्यवस्थित तैयारी कराई जाएगी। आधुनिक शिक्षण पद्धति, अनुभवी फैकल्टी, नियमित टेस्ट सीरीज, पर्सनल मेंटरशिप और अनुशासित अध्ययन वातावरण संस्थान की विशेषताएं रहेंगी।

अरुण यादव ने संस्थान के विजन को साझा करते हुए कहा कि टाइम्स करियर इंस्टीट्यूट का उद्देश्य छोटे शहरों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बड़े प्लेटफॉर्म की सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे बिना किसी बड़े शहर में जाए अपने सपनों को यहीं से साकार कर सकें। संस्थान का लक्ष्य हर छात्र को उसकी क्षमता के अनुसार मार्गदर्शन देकर उसे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।

संवैधानिक संस्थाः लोक लेखा समिति भूमिका और कार्य

सरकार संचित निधि से न तो धन निकाल सकती है और न ही खर्च कर सकती है।

लोक लेखा समिति भूमिका और कार्यः लोक लेखा समिति का औचित्य संविधान के अनुच्छेद 265 में स्पष्ट है जो यह बताता है कि कानूनी रूप से अधिकृत के अलावा, कोई कर नहीं लगाया या एकत्र किया जा सकता. इसके अलावा, संविधान के अनुच्छेद 266(3) के अंतर्गत भारत की संचित निधि या किसी राज्य की संचित निधि से राशि, केवल कानून के अनुसार और संविधान में प्रदत्त उद्देश्यों और तरीके से ही प्राप्त की जा सकती है. सीधे शब्दों में कहें तो, संसद या राज्य विधायिका की पूर्व स्वीकृति के बिना सरकार संचित निधि से न तो धन निकाल सकती है और न ही खर्च कर सकती है।

भूमिका और प्रासंगिकता : संसद, सरकार के विभिन्न विभागों के खर्च को पूरा करने के लिए हर साल सैकड़ों करोड़ रुपये का अनुदान देती है और विभिन्न मदों के तहत इस उद्देश्य के लिए विशिष्ट विनियोग करती है। वित्तीय स्वीकृति, मंत्रालयों द्वारा सार्वजनिक निधियों के वितरण और व्यवस्था पर नियंत्रण रखती है और यह सुनिश्चित करना संसद का विशेषाधिकार है कि स्वीकृत धन को विवेकपूर्ण ढंग से, उचित तरीकों का पालन करते हुए खर्च किया जाए।

संयोजनः लोक लेखा समिति में अधिकतम 22 सदस्य होते हैं जिनमें 15 सदस्य लोकसभा द्वारा हर साल अपने सदस्यों में से आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत के अनुसार एकल अंतरणीय मत द्वारा चुने जाते हैं. इसमें राज्य सभा से अधिकतम 7 सदस्य मनोनीत किए जाते हैं. समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष द्वारा इसके सदस्यों में से की जाती है।

अध्यक्ष परंपरागत रूप से विपक्ष से होता है। पीएसी को यह सुनिश्चित करना होता है कि सार्वजनिक खर्च में सावधानी बरती जाए।

यूजीसी-नेट के जरिए विश्वविद्यालय, कॉलेज शिक्षक के रूप में रोजगार की संभावनाएं

''हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि एक पुस्तक, एक पेन, एक बच्चा और एक शिक्षक विश्व को बदल सकता है।''

आज सूचना संचार और मनोरंजन के युग में उच्चतर शिक्षा संस्थानों में शिक्षण सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय है, जिसके लिए ज्ञान, अनुसंधानोन्मुखी मस्तिष्क, विषय की गहन जानकारी, क्लासरूम मैनेजमेंट कौशल और समाज में मूल्यों का संरक्षण और सुधार लाने की आवश्यकता है. यह व्यवसाय न केवल प्रेरक, दिलचस्प और सम्मान प्रदान करने वाला है, बल्कि हर वर्ष सैकड़ों विद्यार्थियों को प्रेरित और व्यवस्थित करने तथा उनका जीवन संवारने के अवसर भी प्रदान करता है. यदि आप विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज में शिक्षक के रूप में काम करना पसंद करते हैं, तो आपको आगामी यूजीसी नेट के प्रति अवश्य जागरूक रहना चाहिए।

यह परीक्षा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 5 नवंबर, 2017 को आयोजित की जा रही है. इसके आधार पर भारतीय विश्वविद्यालयों और अनुषंगी कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के रूप में भारतीय नागरिकों की पात्रता का निर्धारण होगा. इसके अलावा यह परीक्षा 85 विषयों में कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप के लिए पात्रता का भी निर्धारण करेगी. परीक्षा का आयोजन देश के विभिन्न भागों में चुने हुए 91 नेट परीक्षा शहरों में किया जाएगा। कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप प्रदान करने के लिए आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा को क्वालिफाई करके आप अपने स्नातकोत्तर विषय में अनुसंधान करने के पात्र बन जाते हैं. सभी केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालय, आईआईटी संस्थान और समकक्ष विश्वविद्यालय आमतौर पर अपने अपने नियमों और विनियमों के अनुसार पूर्णकालिक अनुसंधान कार्य के लिए जेआरएफ उत्तीर्ण विद्यार्थियों का चयन करते हैं. परंतु, यदि आप सहायक प्रोफेसर की पात्रता के लिए आवेदन करते हैं, तो आप पर जेआरएफ प्रदान किए जाने के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

इस संदर्भ में आप जेआरएफ और सहायक प्रोफेसर के लिए पात्रता, दोनों हेतु आवेदन का विकल्प अपना सकते हैं. यदि आप इसके इच्छुक हैं, तो 11 अगस्त, 2017 से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिसकी अंतिम तारीख 11 सितंबर, 2017 है. आप 12 सितंबर, 2017 तक शुल्क अदा कर सकते हैं. इस वर्ष केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने फैसला किया है कि आवेदन प्रपत्र जमा कराते समय आधार प्रमाणन का इस्तेमाल किया जाएगा. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 14 जुलाई, 2017 को जारी अपनी नई अधिसूचना में उम्मीदवारों के अर्हता पाने के मानदंड में संशोधन किया है. आकांक्षी उम्मीदवारों के लिए अच्छी खबर है कि अब यह फैसला किया गया है कि यूजीसी–नेट परीक्षा में बैठने वाले कुल उम्मीदवारों में से 6 प्रतिशत को योग्य घोषित किया जाएगा. पिछली नेट परीक्षाओं में यह प्रतिशत 4.83, 4.96, 4.08 और 3.99 प्रतिशत था।

उच्चतर शिक्षा का वर्तमान परिदृश्यः प्राचीनकाल से ही उच्चतर शिक्षा का विश्व की अर्थव्यवस्था में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है. स्वतंत्रता के समय देश में केवल 20 विश्वविद्यालय, 500 कॉलेज और 2,10,000 विद्यार्थी थे, जिन्होंने विभिन्न उच्चतर शिक्षा संस्थानों में दाखिला लिया था. आजादी के बाद विस्तार, समावेशन और शिक्षा की उत्कृष्टता पर बल दिया गया. क्षमता के विस्तार, निजी क्षेत्र की तीव्र वृद्धि और प्रौद्योगिकी के उपयोग की बदौलत भारत में आज 37 केंद्रीय विश्वविद्यालय, 359 राज्य विश्वविद्यालय, 260 प्राइवेट और 123 समकक्ष विश्वविद्यालय तथा 36,000 से अधिक उच्चतर शिक्षा संस्थान हैं।

एफआईसीसीआई की 2016 की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय उच्चतर शिक्षा प्रणाली विश्व की सबसे बड़ी प्रणालियों में से एक है, जिसमें सात करोड़ से अधिक विद्यार्थी दाखिला लेते हैं. वर्तमान में 46,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के साथ उच्चतर शिक्षा क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और उम्मीद है कि इस क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि दर 18 प्रतिशत होगी, जिससे अगले 10 वर्षों में विद्यार्थियों की कुल संख्या 2,32,500 करोड़ पर पहुंच जाएगी।

एनईटी परीक्षाएं क्यों: लेक्चरशिप के लिए पात्रता के निर्धारण और कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (जेआरएफ) प्रदान करने और साथ ही शिक्षण व्यवसाय एवं अनुसंधान में प्रवेश करने वालों के लिए न्यूनतम मानदंड सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) आयोजित की जाती है। कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (जेआरएफ) उन उम्मीदवारों के लिए है, जो अनुसंधान करने के इच्छुक हैं। नेट में लेक्चरशिप के लिए पात्रता के लिए क्वालिफाई करने वाले उम्मीदवारों में से योग्यता क्रम के अनुसार जेआरएफ प्रदान की जाती है।

नेट परीक्षा प्रणालीः यूजीसी–नेट परीक्षा के तीन भाग होते हैं. प्रश्नपत्र–1 बुनियादी सामान्य प्रश्नपत्र है, जिसमें बहुविकल्पों वाले प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रश्नपत्र 2 और 3 में भी बहुविकल्प प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं।

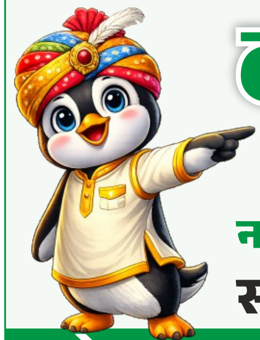

करिअर समिट 2026 - 1

17 18 19 APRIL 2026
FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY

तीन दिवस, 50 + संस्थाएं, 25 करिअर सेमिनार

फार्मेसी कॉलेज पैरा मेडिकल कॉलेज
होटल मैनेजमेंट फ़ायर & सेफ्टी इंज.

नवोदय / मिलिट्री / सैनिक स्कूल बोर्डिंग स्कूल डिग्री कॉलेज डिस्टेंस एजुकेशन स्पोर्ट्स अकेडमी

सभी प्रकार के कोचिंग संस्थान NEET, IIT-JEE, NDA, JET, CUET

कोटपुतली - बहरोड़ करिअर समिट व शिक्षा मेला 2026

Free Online Registration
www.CampusDarpan.com
+91 94611 24365

न्यूज़ / करंट अफेयर्स NEWS / CURRENT AFFAIRS

भारत-कनाडा संबंधों को नई गति, व्यापार और तकनीकी सहयोग पर जोर: भारत और कनाडा के बीच संबंधों को नई दिशा देते हुए प्रधानमंत्री ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की पहली भारत यात्रा को ऐतिहासिक बताया। दोनों देशों ने 2030 तक व्यापार 50 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने और व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता जल्द अंतिम करने पर सहमति जताई। AI, ऊर्जा, रक्षा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के साथ आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने पर भी जोर दिया गया।

भारत-कनाडा सीईपीए वार्ता शुरू, 2030 तक 50 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य: भारत और कनाडा ने नई दिल्ली में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के लिए संदर्भ शर्तों (ToR) पर हस्ताक्षर कर औपचारिक वार्ता शुरू की। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के मंत्री मनिंदर सिद्धू ने समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसकी मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी रहे। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। यह समझौता व्यापार, सेवाओं और निवेश को नई गति देगा।

एनसीवीईटी से केएसओयू को डुअल डिग्री दर्जा, कौशल शिक्षा को बढ़ावा: राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (NCVET) ने कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (KSOU) को डुअल डिग्री प्रदान करने वाली संस्था के रूप में मान्यता दी है। इस समझौते के बाद KSOU अब प्रशिक्षण, मूल्यांकन और प्रमाणन स्वयं कर सकेगा। यह कदम ओपन और डिस्टेंस लर्निंग सिस्टम को मजबूत करेगा और कर्नाटक में कौशल आधारित शिक्षा की पहुंच बढ़ाएगा। साथ ही, आईटी और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू करने का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

जनजातीय कला उत्सव 2026 का शुभारंभ, 75 कलाकारों की 1000 कलाकृतियां प्रदर्शित: केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने नई दिल्ली के त्रावणकोर पैलेस में जनजातीय कला उत्सव 2026 का उद्घाटन किया। 12 दिवसीय इस महोत्सव में 75 से अधिक कलाकारों की 1000 से ज्यादा कलाकृतियां और 30 से अधिक कला परंपराएं प्रदर्शित की जा रही हैं। सरकार ने इसे जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। यह उत्सव 2 से 13 मार्च तक आयोजित होगा और आम जनता के लिए खुला है।

भारत-फिनलैंड पर्यावरण सहयोग समझौता नवीनीकृत, जलवायु और प्रदूषण पर जोर: भारत और फिनलैंड ने पर्यावरण सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) का नवीनीकरण किया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और फिनलैंड की मंत्री सारी मुलतला ने नई दिल्ली में इस पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता प्रदूषण नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन, चक्रीय अर्थव्यवस्था और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएगा। साथ ही, दोनों देश तकनीक और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देंगे।

ग्रामीण विकास मंत्रालय का 'VB&G RAM G' डिजिटल अभियान शुरू, युवाओं को मिलेगा मंच: केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने MY Bharat के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी "VB&G RAM G Youth Digital Campaign" शुरू करने की घोषणा की है। 15 से 29 वर्ष के युवा इसमें क्विज, वीडियो चैलेंज और रचनात्मक प्रतियोगिताओं के जरिए भाग ले सकेंगे। "60 Seconds for My Village, प्रतियोगिता के तहत युवा 30-60 सेकंड के वीडियो बनाकर अपने गांव के विकास और रोजगार सृजन पर विचार साझा करेंगे। यह अभियान ग्रामीण विकास में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देगा।

26 युवा डॉक्टरों को सम्मान, स्वास्थ्य क्षेत्र में AI की भूमिका पर जोर: केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने देशभर के 26 युवा चिकित्सा पेशेवरों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि करियर की शुरुआत में मिलने वाला सम्मान युवा डॉक्टरों के लिए बड़ा प्रोत्साहन है। मंत्री ने बताया कि स्वास्थ्य क्षेत्र में AI और नई तकनीकों से बड़ा बदलाव आ रहा है, लेकिन डॉक्टरों की भूमिका अब भी अहम है। साथ ही उन्होंने युवा चिकित्सकों को किसी विशेष विशेषज्ञता पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

ब्रह्मपुत्र पर देश के पहले नदी-आधारित लाइटहाउस, 84 करोड़ की परियोजना शुरू: केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने ब्रह्मपुत्र नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग-2) पर देश के पहले नदी-आधारित प्रकाशस्तंभों की आधारशिला रखी। पांडु, बोगीबील, सिलघाट और बिश्वनाथ घाट पर बनने वाले चार लाइटहाउस 84 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होंगे। ये सौर ऊर्जा से संचालित होंगे और सुरक्षित नौवहन के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा देंगे। इस पहल से जलमार्ग परिवहन को मजबूती मिलेगी और पूर्वोत्तर में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

भारत-ब्रिटेन हरित हाइड्रोजन सहयोग मजबूत, सुरक्षा मानकों पर जोर: नई दिल्ली में आयोजित भारत-ब्रिटेन हरित हाइड्रोजन सम्मेलन में सुरक्षित उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इसमें नीति निर्माता, उद्योग और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हुए। सम्मेलन में हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण और परिवहन के लिए वैश्विक मानकों व सुरक्षा प्रोटोकॉल पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने मजबूत नियामक ढांचा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई, जिससे हरित हाइड्रोजन क्षेत्र को तेजी से विस्तार मिल सके।

हरित अमोनिया-मेथेनॉल के नए मानक जारी, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को बढ़ावा: भारत सरकार ने हरित अमोनिया और हरित मेथेनॉल के लिए नए मानक अधिसूचित किए हैं, जिससे ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र को गति मिलेगी। इन मानकों में उत्सर्जन सीमा तय की गई है, जिससे केवल नवीकरणीय स्रोतों से बने उत्पादों को ही "हरित" माना जाएगा। यह कदम उद्योगों में कार्बन उत्सर्जन घटाने, निवेश आकर्षित करने और भारत को हरित ईंधन के वैश्विक निर्यातक के रूप में मजबूत बनाने में मदद करेगा।

हरित अमोनिया-मेथेनॉल के नए मानक जारी, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को बढ़ावा: भारत सरकार ने हरित अमोनिया और हरित मेथेनॉल के लिए नए मानक अधिसूचित किए हैं, जिससे ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र को गति मिलेगी। इन मानकों में उत्सर्जन सीमा तय की गई है, जिससे केवल नवीकरणीय स्रोतों से बने उत्पादों को ही "हरित" माना जाएगा। यह कदम उद्योगों में कार्बन उत्सर्जन घटाने, निवेश आकर्षित करने और भारत को हरित ईंधन के वैश्विक निर्यातक के रूप में मजबूत बनाने में मदद करेगा।

भारत-न्यूजीलैंड खेल संबंधों के 100 वर्ष, सहयोग बढ़ाने पर सहमति: भारत और न्यूजीलैंड ने खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे होने पर सहयोग विस्तार पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में हुई बैठक में रग्बी, एथलेटिक्स, साइकिलिंग जैसे खेलों में साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों देशों ने संयुक्त प्रशिक्षण, कोच एक्सचेंज और "भारत-न्यूजीलैंड खेल एवं संस्कृति सप्ताह" जैसे कार्यक्रमों पर सहमति जताई। यह पहल खेल कूटनीति और खिलाड़ियों के विकास को नई दिशा देगी।

नीति आयोग का दक्षिण क्षेत्रीय सेमिनार, विकास के सफल मॉडल्स पर जोर: नीति आयोग ने विशाखापत्तनम में आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के तहत रीजनल बेस्ट प्रैक्टिसेज सेमिनार आयोजित किया। इसमें दक्षिण भारत के राज्यों के अधिकारियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में नवाचार साझा किए। सेमिनार में जिलों के सफल मॉडल्स और पीयर लर्निंग पर जोर दिया गया। साथ ही, बेस्ट प्रैक्टिसेज कलेक्शन जारी किया गया, जो विकास कार्यों को और प्रभावी बनाने में मार्गदर्शक बनेगा।

एनएचआरसी ने शुरू किया मार्च 2026 इंटर्नशिप, 80 छात्रों का चयन: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने मार्च 2026 के लिए ऑनलाइन अल्पकालिक इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया। 1,147 आवेदकों में से 80 छात्रों का चयन किया गया है। अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणियन ने मानवाधिकारों की बढ़ती वैश्विक जरूरत पर जोर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को मानवाधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक और भविष्य के मानवाधिकार दूत के रूप में तैयार करना है।

कैबिनेट की मंजूरी: MP में 4-लेन हाईवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी मजबूत: केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश में एनएच-752डी के बदनावर-पेटलावाद-थंदला-तिमारवानी खंड के 80.45 किमी चार-लेन निर्माण को 3,839 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी। यह परियोजना उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ेगी और यात्रा समय में करीब एक घंटे की कमी लाएगी। इससे गुजरात-महाराष्ट्र से बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स में सुधार और आदिवासी क्षेत्रों के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

'भारत टैक्सी' लॉन्च, सहकारी मॉडल से राइड सेवा में नया विकल्प: भारत सरकार ने 'भारत टैक्सी' नामक देश का पहला सहकारी-आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह पहल चालकों (सारथी) को स्वामित्व और मुनाफे में भागीदारी देती है तथा शून्य-कमीशन मॉडल पर आधारित है। फिलहाल सेवा दिल्ली-एनसीआर और गुजरात के शहरों में शुरू हुई है। यह रोजगार सृजन, महिला भागीदारी और डिजिटल मोबिलिटी को बढ़ावा देने के साथ पारदर्शी व किफायती यात्रा सुविधा प्रदान करेगी।

एनएचएआई का बड़ा कदम: हाईवे सुरक्षा के लिए एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म से समझौता: राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने वाणिज्यिक वाहन एग्रीगेटर प्लेटफॉर्मों के साथ समझौता कर हाईवे सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने की पहल की है। इसके तहत 'राजमार्गयात्रा ऐप' से रियल-टाइम अलर्ट, 1033 हेल्पलाइन और चालक रिपोर्टिंग सिस्टम को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम दुर्घटनाओं में कमी, बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन और पारदर्शी सेवाएं सुनिश्चित करेगा, साथ ही जिम्मेदार ड्राइविंग को भी प्रोत्साहित करेगा।

आईटीबी बर्लिन 2026 में भारत की सक्रिय भागीदारी, पर्यटन सहयोग पर जोर: भारत ने आईटीबी बर्लिन 2026 में भाग लेकर जर्मनी और इंडोनेशिया के साथ पर्यटन सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भारतीय पवेलियन का उद्घाटन किया और सतत पर्यटन, हवाई कनेक्टिविटी व लोगों के बीच संबंध मजबूत करने पर जोर दिया। भारत ने अपनी सांस्कृतिक विविधता, विरासत और पर्यटन स्थलों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने और पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

जनगणना 2027 दो चरणों में, डिजिटल प्रक्रिया से होगा डेटा संग्रह: भारत में जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में मकान और परिवार से जुड़ी जानकारी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या का विस्तृत डेटा एकत्र किया जाएगा। प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी जुटाएंगे, साथ ही स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध होगी। डेटा संग्रह के लिए मोबाइल ऐप और डिजिटल सिस्टम का उपयोग किया जाएगा, जिससे सटीकता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सरकार ने इसके लिए कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया है।

जनगणना 2027 दो चरणों में, डिजिटल प्रक्रिया से होगा डेटा संग्रह: भारत में जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में मकान और परिवार से जुड़ी जानकारी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या का विस्तृत डेटा एकत्र किया जाएगा। प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी जुटाएंगे, साथ ही स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध होगी। डेटा संग्रह के लिए मोबाइल ऐप और डिजिटल सिस्टम का उपयोग किया जाएगा, जिससे सटीकता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सरकार ने इसके लिए कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया है।

ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट से न्याय व्यवस्था डिजिटल, पारदर्शिता और गति में सुधार: ई-कोर्ट्स मिशन मोड परियोजना के तहत देशभर में न्यायिक प्रणाली को डिजिटल बनाया जा रहा है। चरण-III (2023-27) में ई-फाइलिंग, वर्चुअल सुनवाई और रिकॉर्ड डिजिटलीकरण में तेजी आई है। अब तक 660 करोड़ से अधिक दस्तावेज डिजिटल हो चुके हैं और करोड़ों मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई है। NJDG और मोबाइल ऐप से आम नागरिकों को केस जानकारी आसानी से मिल रही है, जिससे न्याय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुलभ बनी है।

पूर्वोत्तर में रेलवे का बड़ा विस्तार, नई ट्रेनें और विद्युतीकरण से बढ़ेगी कनेक्टिविटी: भारतीय रेलवे असम और पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए कई बड़ी परियोजनाएं शुरू कर रहा है। 1,400 किमी से अधिक रेल विद्युतीकरण और 194 किमी फुरकटिंग-तिनसुकिया लाइन दोहरीकरण से क्षमता बढ़ेगी। तीन नई ट्रेन सेवाएं क्षेत्र को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ेंगी। साथ ही नई मेंटेनेंस वर्कशॉप से रोजगार बढ़ेगा। सरकार का लक्ष्य पूर्वोत्तर को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से बेहतर तरीके से जोड़कर आर्थिक विकास को गति देना है।

एमएसडीई-गति फाउंडेशन समझौता, विदेश रोजगार के अवसर बढ़ेंगे: कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) ने गति फाउंडेशन के साथ समझौता कर भारतीय युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार अवसर बढ़ाने की पहल की है। यह साझेदारी अंतरराष्ट्रीय नौकरी बाजारों की पहचान, कौशल विकास और प्रशिक्षण को मजबूत करेगी। इसके तहत डेटा आधारित रोडमैप और स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर को बढ़ावा दिया जाएगा। यह कदम भारत को वैश्विक कौशल केंद्र बनाने और युवाओं को बेहतर विदेशी रोजगार दिलाने में मदद करेगा।

श्रवण बाधितों के लिए पहला एकीकृत जीवन-चक्र मॉडल, सरकार-तकनीकी क्षेत्र साथ आए: सामाजिक न्याय मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने "कोएलिशन ऑफ द विलिंग" के साथ मिलकर श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए देश का पहला एकीकृत जीवन-चक्र सहायता मॉडल शुरू किया। यह पहल शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक समावेशन तक व्यापक समर्थन देगी। तकनीक, प्रशिक्षण और सामुदायिक सहयोग के जरिए सुलभता बढ़ाने और अवसरों का विस्तार करने पर जोर दिया गया है, जिससे दिव्यांगजनों की भागीदारी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन को बढ़ावा: 'हुनर से रोजगार' से लाखों को प्रशिक्षण और रोजगार पर्यटन मंत्रालय की CBSPI

कैम्पस दर्पण 2026
17 18 19 APRIL 2026
FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY
तीन दिवस, 50 + संस्थाएं, 25 करिअर सेमिनार
50KM तक निःशुल्क बस सुविधा
3 दिवस के लिए सभी प्रमुख शिक्षण संस्थान बहरोड़ में एक छत के नीचे
कक्षा 5 से कॉलेज तक के सभी विद्यार्थी व अभिभावकों के लिए
Free Online Registration
www.CampusDarpan.com
+91 94611 24365
फ्री पास के लिए QR स्कैन करें या वेबसाइट पर विजिट करें
कोटपुतली - बहरोड़ करिअर समिट व शिक्षा मेला 2026

English Language:
Improve Word Power

Peace-n: (a)state of freedom from war or violence : We should live together in peace with one another. After years of fighting, people longed for peace.
(b)period of peace : We want a lasting peace. After brief peace, fighting broke out again.
peach-n: (a)round juicy fruit with yellowish-red skin and a rough stone: Those were the best peaches I ever tasked.
(b)very attractive young woman: sh is a real peach.
piece-n: (a)any of the parts of which sth is made: The table is made of five pieces. He lost one of the pieces of his model engine. (b)any of the portions into many pieces.

Adverse : (a) not favourable; contrary: He is living in adverse circumstances.
(b) opposing; hostile: your adverse criticism has hurt her feelings. there was an adverse reaction to your proposals.
(c) harmful: there are adverse effects of this medicine.
Averse : opposed to sth; not liking sth: he seems to be averse to hard work.

Bald : (a) having little or no hair on the scalp: you are going bald.
(b) without elaboration; plain or dull : he has adopted a bald style or writing. the bald fact is that the first five years were wasted. let me know the bald facts of the case.
Bold : (a) confident and brave; daring; enterprising: she is a bold young lady. I have taken a bold action in the matter.
(b) distinct; vivid; clearly visible: it is a bold, legible handwriting.
(c) printed in thick type : the head words should be in bold type.

Cafe : small inexpensive restaurant serving light meals: do you often visit that café ?
Cap : (a) soft head-covering worn by men and boys : he was wearing a flat cap.
(b) protective cover or top a pen, bottle, etc:
cape : (a) loose sleeveless garment like a cloak, but shorter: he has gone to put on a cape. waving a red cape he provoked the bull to charge.
(b) large piece of high land sticking out into the sea from the coast : where is the cape of good hope ?

Dose-n : (a) amount of medicine to be taken at one time: let her take a dose of this medicine.
(b) any experience of sth unpleasant : he has a dose of malaria in the recent past.
(c) any experience of sth enjoyable : what you need is a dose of laughter. what he needed was a large dose of courage.
(d) venereal infection : have you caught a dose?
Doze-n : (a) sleep lightly :

English Language:
Idioms & Phrases

अधजल गगरी छलकत जाए — Empty vessels make much noise.
जैसी करनी वैसी भरनी — As you sow] so shall you reap.
दूर के ढोल सुहावने लगते हैं — Grass is greener on the other side.
नाच न जाने आंगन टेढ़ा — A bad workman quarrels with his tools.
अंत भला तो सब भला — All's well that ends well.
ऊंट के मुंह में जीरा — A drop in the ocean.
एक तीर से दो निशाने — To kill two birds with one stone-
लोहे के चने चबाना — A hard nut to crack-
जिसकी लाठी उसकी भैंस — Might is right-
दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है — Once bitten twice

न्यूज़ / करंट अफेयर्स NEWS / CURRENT AFFAIRS

से लाखों को प्रशिक्षण और रोजगार: पर्यटन मंत्रालय की CBSPI योजना के तहत "हुनर से रोजगार" जैसे कार्यक्रमों से 1.68 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षण और 36,000 से ज्यादा को रोजगार मिला है। 'पर्यटन मित्र/दीदी' पहल के जरिए स्थानीय लोगों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। होटल मैनेजमेंट संस्थानों और प्रमुख होटल समूहों के साथ साझेदारी से कौशल विकास को बढ़ावा मिला है, जिससे पर्यटन क्षेत्र और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

....

अनुच्छेद 275(1) के तहत राज्यों को 100% अनुदान, जनजातीय कल्याण को बढ़ावा: केंद्र सरकार संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत 26 राज्यों को जनजातीय कल्याण के लिए 100% अनुदान प्रदान करती है। यह राशि राज्य सरकारों के प्रस्तावों के आधार पर मंजूर की जाती है। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के विकास, बुनियादी सुविधाओं और कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देना है। आवंटन राज्य स्तर पर किया जाता है, जिससे विभिन्न योजनाओं के जरिए जनजातीय क्षेत्रों में समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

....

असम में 4570 करोड़ की परियोजनाएं, बोडोलैंड में विकास को नई गति: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के कोकराझार में 4570 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में सड़क, रेल और कनेक्टिविटी सुधार पर विशेष जोर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बोडोलैंड अब शांति और विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। इन पहलों से व्यापार, पर्यटन और किसानों को लाभ मिलेगा तथा क्षेत्र को एक प्रमुख आर्थिक केंद्र बनाने में मदद मिलेगी।

....

हिमाचल में रेलवे विस्तार तेज, कनेक्टिविटी और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा: हिमाचल प्रदेश में रेलवे कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए कई प्रमुख परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अंब अंदौरा–मुकेरियां लाइन का महत्वपूर्ण खंड शुरू हो चुका है, जबकि भानुपल्ली–बिलासपुर–बेरी और चंडीगढ़-बद्दी रेल परियोजनाओं पर तेजी से काम जारी है। बिलासपुर–मनाली–लेह रणनीतिक रेल लाइन का डीपीआर भी तैयार है। इन परियोजनाओं से पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा तथा यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

....

असम चुनाव 2026 के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त, 9 अप्रैल को मतदान: भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए विशेष पर्यवेक्षक के रूप में सेवानिवृत्त IA अधिकारी मनजीत सिंह की नियुक्ति की है। राज्य में मतदान 9 अप्रैल और मतगणना 4 मई को होगी। विशेष पर्यवेक्षक चुनाव प्रक्रिया की निगरानी कर आयोग को रिपोर्ट देंगे। यह कदम स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

....

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025 घोषित, 24 भाषाओं के रचनाकार सम्मानित: साहित्य अकादमी ने 2025 के पुरस्कारों की घोषणा करते हुए 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को सम्मानित किया। इसमें कविता, उपन्यास, लघु कथा, निबंध, आत्मकथा और संस्मरण जैसी विधाओं की उत्कृष्ट कृतियों को शामिल किया गया है। हिंदी में ममता कालिया को "जीते जी इलाहाबाद" के लिए सम्मान मिला। सभी विजेताओं को 31 मार्च 2026 को नई दिल्ली में ताम्रपट, शॉल और एक लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे।

....

'ज्ञान भारतम् मिशन' से पांडुलिपियों का संरक्षण और डिजिटलीकरण तेज: संस्कृति मंत्रालय ने 'ज्ञान भारतम् मिशन' शुरू किया है, जिसका उद्देश्य देशभर की पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, संरक्षण और डिजिटलीकरण करना है। 2025-31 के लिए 491.66 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। अब तक 40 से अधिक केंद्र और 28 राज्य जुड़े हैं। मिशन के तहत एक करोड़ पांडुलिपियों को डिजिटल रूप में सुरक्षित कर शोध के लिए सुलभ बनाया जाएगा, ताकि सांस्कृतिक विरासत संरक्षित रहेगी।

रोजगार समाचार EMPLOYMENT NEWS

वैज्ञानिक और नवीकृत अनुसंधान अकादमी में विभिन्न कोर्स में प्रवेश
कोर्स का नाम : पी एचडी इंजीनियरिंग, पीएचडी चिकित्सा, पीएचडी जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान , कृषि विज्ञान, गणित एवं सूचना विज्ञान, आईडीडीपी एम टैक+ एचडी (इंजीनियरिंग) एकीकृत द्वितीय डिग्री कार्यक्रम
अंतिम तिथि: 14 अप्रैल 2026
www.ecsir.res.in/admission

मुंबई पतन प्राधिकरण : सहायक पोर्ट सुरक्षा एवं अग्नि सामान अधिकारी के पद के लिए नियमित आधार पर प्रत्यक्ष भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं अंतिम तिथि 27 मार्च 2026 अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें
www.mumbaiport.gov.in

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद में निम्न पदों पे भर्ती: अंशकालिक सामान्य चिकित्सा अधिकारी विशेष डॉक्टर/स्टाफ नर्स व आदि.
अंतिम तिथि 27.03.2026
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
www.mnnit.ac.in

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षक पदों के लिए भर्ती :पद, शिक्षक अध्ययन भूगोल, शिक्षण अध्ययन इतिहास, अंग्रेजी, मानव संसाधन, पर्यटक यात्रा एवं प्रबंधक
सामाजिक कार्य, रसायन विज्ञान एवं रासायनिक विज्ञान व अन्य पद.
अंतिम तिथि, 20/03/2026
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
www.cujammu.ac.in

राष्ट्रीय डिजाइन संस्था मध्य प्रदेश
राष्ट्रीय डिजाइन संस्था मध्य प्रदेश प्रतिनियुक्ति अनुबंध के आधार पर अलग-अलग प्रशासनिक पदों को भरने के लिए योग्य उम्मीदवारों से ऑफलाइन माध्यम से आवेदन आमंत्रित कर सकता है
अंतिम तिथि 30/04/2026
विस्तार अधिक जानकारी के लिएसंपर्क करे
https.//nidmp.ac.in

हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड: निम्न पदों के लिए भर्ती पद / सहायक, सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रीकल, केमिकल,अग्नि एव सुरक्षा आदि
अंतिम तिथि 26 मार्च 2026
अधिक के लिए संपर्क करे
www.hindustanpetroleum.com

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्था दिल्ली विशेष पदों के लिए भर्ती
योग्यता अनुभव सामान्य निर्देश इत्यादि के लिए संपर्क करे और http:/recruit-iitd.nielit.in पर जाये ऑनलाइन मोड़ से आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 08.04.2026

राजस्थान (Rajasthan)
पद: राजस्थान (RSMSSB) कनिष्ठ सहायक (LDC) / लिपिक ग्रेड-II
कुल पद: 4,197 पद (नया चरण)
योग्यता: 12वीं पास + RS-CIT या समकक्ष कंप्यूटर कोर्स (CET Score Based)
अंतिम तिथि: 15 अप्रैल 2026 (संभावित)
वेबसाइट:rsmssb.rajasthan.gov.in

उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh)
पद: UPSSSC कनिष्ठ सहायक (Junior Assistant) एवं क्लर्क
कुल पद: 1,262+ (नया नोटिफिकेशन)
योग्यता: 12वीं पास + PET 2025 स्कोर + हिंदी/अंग्रेजी टाइपिंग
आवेदन: 28 मार्च से 25 अप्रैल तक
वेबसाइट: upsssc.gov.in

बिहार (Bihar)
पद: बिहार (BSSC) द्वितीय इंटर स्तरीय (Inter Level) परीक्षा - संशोधन एवं मुख्य आवेदन
कुल पद: 12,199 पद (राजस्व कर्मचारी, पंचायत सचिव आदि)
योग्यता: 12वीं पास (इंटरमीडिएट)
अपडेट: अप्रैल में मुख्य परीक्षा (Mains) के आवेदन की प्रक्रिया।
वेबसाइट: bssc.bihar.gov.in

मध्य प्रदेश (Madhya Pradesh)
पद: MPESB समूह-4 (Group 4) - ग्रेड-3 स्टेनोग्राफर एवं क्लर्क
कुल पद: 2,716 पद (विभिन्न विभाग)
योग्यता: 12वीं पास + कंप्यूटर डिप्लोमा (CPCT)
आवेदन: 01 अप्रैल से 20 अप्रैल तक
वेबसाइट: esb.mp.gov.in

हरियाणा (Haryana)
पद: HSSC ग्रुप-C भर्ती (द्वितीय चरण)
कुल पद: 6,000+ (कॉन्स्टेबल और विभिन्न विभागीय पद)
योग्यता: 12वीं/ग्रेजुएशन (C E T क्वालीफाइड उम्मीदवार)
अंतिम तिथि: 10 अप्रैल 2026
वेबसाइट: hssc.gov.in

जम्मू-कश्मीर एवं उत्तराखंड (Northern Hill States)
JKSSB (Jammu-Kashmir): सुपरवाइजर (Social Welfare) और क्लर्क के 400+ पद। ग्रेजुएशन अनिवार्य। अंतिम तिथि: 18 अप्रैल।
UKSSSC (Uttarakhand): कनिष्ठ सहायक (Group C) - 750+ पद। 12वीं पास। आवेदन 25 मार्च से शुरू।

अखिल भारतीय (Central Govt - SSC)
पद: SSC CHSL (10+2) परीक्षा 2026
योग्यता: 10+2 (किसी भी विषय में)
नोटिफिकेशन: 02 अप्रैल 2026 को जारी होने की आधिकारिक तिथि।

गुदगुदी / चुटकले

प्रथम महिला: मेरा बच्चा बहुत तेज अंग्रेजी बोलता है।
दूसरी महिला: बेटा, बोलकर दिखाओ।
फनी किड: अंग्रेजी, अंग्रेजी, अंग्रेजी, अंग्रेजी, अंग्रेजीङ्ख

लालू: बेटा, ये कैसी माचिस लाए हो। ससुरा, एक भी तीली नहीं जल रही।
मजेदार बेटा:
क्या बात करते हो पापा, सब चेक करवाकर लाया हूँ।

तीन दिवस, 50 + संस्थाएं, 25 करिअर सेमिनार

कैम्पस दर्पण 2026

करिअर समिट 2026 - 1

17 18 19 APRIL 2026
FRIDAY - SATURDAY - SUNDAY

कक्षा 5 से कॉलेज तक के सभी विद्यार्थी व अभिभावकों के लिए

3 दिवस के लिए सभी प्रमुख शिक्षण संस्थान बहरोड़ में एक छत के नीचे

नवोदय / म्लिट्री /सैनिक स्कूल बोर्डिंग स्कूल डिग्री कॉलेज डिस्टेंस एजुकेशन स्पोर्ट्स अकैडमी

फार्मेसी कॉलेज पैरा मेडिकल कॉलेज होटल मैनेजमेंट फ़ायर & सेफ्टी इंज. जर्नलिज्म फैशन डिजाइनिंग

सभी प्रकार के कोचिंग संस्थान NEET, IIT-JEE, NDA, JET, CUET

कोटपुतली - बहरोड़ जिला क्षेत्र
खैरथल - तिजारा जिला क्षेत्र
महेंद्रगढ़ - नारनौल जिला क्षेत्र

सीकर कोटा
जयपुर अलवर

50KM तक नि:शुल्क बस सुविधा

Free Online Registration
www.CampusDarpan.com
+91 94611 24365

इन सभी शहरों से स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, यूनिवर्सिटी व अन्य सभी शैक्षिक संस्थाएं

फ्री पास के लिए QR स्कैन करें या वेबसाइट पर विजिट करें

कोटपुतली - बहरोड़ करिअर समिट व शिक्षा मेला 2026

बहरोड़ अभिभावकों व विद्यार्थियों को शिक्षा और करियर से जुड़ी बेहतर जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **"कैंपस दर्पण 2026"** करिअर व एजुकेशन फेयर का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय शिक्षा मेला **"17, 18 और 19 अप्रेल 2026''** को बहरोड़ शहर में आयोजित होगा। मेले का समय प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा।

इस एजुकेशन फेयर में स्कूल, कोचिंग संस्थान, कॉलेज, यूनिवर्सिटी और अन्य शिक्षा से जुड़े संस्थान अपने स्टॉल लगाएंगे। यहां छात्र और उनके अभिभावक सीधे संस्थानों के प्रतिनिधियों से मिलकर कोर्स, प्रवेश प्रक्रिया, फीस, स्कॉलरशिप और करियर विकल्पों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही एडमीशन भी यही से लिया जा सकेगा शिक्षा मेले के माध्यम से विद्यार्थी व अभिभावक दूर दूर तक की यात्रा कर संस्थानों की जानकारी इक्टटा करते हैं ताकि उपयुक्त संस्था का चयन कर दाखिला दिलाया जा सके। इस असुविधा से बचाने के लिए इस शिक्षा मेले का आयोजन किया जा रहा है अब कही भटकने की आवश्यक्ता नहीं है। एक ही स्थान पर सभी संस्थाऐं उपलब्ध रहेंगी। **करिअर समिट** में कॉलेज के छात्रों तथा बेरोजगार ग्रेजुएट युवाओं'' के लिए विशेष रूप से करियर मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई है। मेले के दौरान छात्रों के एडमीशन लेने पर फीस में विशेष डिस्काउंट भी मिलेगा।

आयोजकों के अनुसार इस मेले में कक्षा 5 से नवोदय सैनिक स्कूल की तैयारी करवाने वाले संस्थानों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है ताकि ग्रामीण नन्हे होनहारों को बचपन से ही सही मार्गदर्शन मिल सके। फॉउन्डेशन कोर्स के लिए सभी लिए विशेष सेशन और वर्कशॉप भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विशेषज्ञ NEET, IIT, NDA, JET, CUET पैरामेडिकल, डी.फार्मा, विभिन्न यूजी व पीजी डिग्री कोर्स, होटल मेनेजमेन्ट, फायर सेफटी एण्ड इंज., डिस्टेन्स एज्यूकेशन, प्रोफेशनल कोर्स, ग्रेजुएशन के बाद करिअर विकल्प और आने वाले नए करिअर अवसरों पर विस्तार से जानकारी देंगे। करिअर सम्मिट लगभग 25 सत्र होंगे जिनमें हर सत्र लगभग 1 से 2 घंटे का होगा। इनमें शिक्षा मेले में भाग लेने के लिए पूर्व ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है, सभी के लिए रजिस्ट्रेशन नि:शुल्क है।

मेले में प्रवेश के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य होगा। बिना रजिस्ट्रेशन के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वेबसाइट द्वारा www.CampusDarpan.com या +91 94611 24365 पर संपर्क कर नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं और अपनी सीट सुरक्षित कर सकते हैं।

रजिस्ट्रेशन करने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए 50 किलोमीटर तक विभिन्न रूटों पर आने जाने के लिए नि:शुल्क शटल बस सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह सेवा **खैरथल** - ततारपुर चौराहा - धेलावास - सोडावास - बर्डोद, **बिबिरानी** - हरसोली - मुंडावर, **बानसूर** गूंता, **पावटा** - कोटपूतली, **नांगल चौधरी**- मोरूणड - तसींग, **नारनौल** - मंढाणा - भगवाडी - जखराणा - निमोहर, **अटेली** - कुंड - माजरी - गण्डाला, **शाहजहांपुर** - नीमराना सहित सभी क्षेत्रों से उपलब्ध रहेगी। विद्यार्थी रूट के बीच से भी बस की सुविधा ले सकते हैं।

कार्यक्रम के अन्य आकर्षणों में विज्ञान व सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता शामिल है, जिसमें छात्र भाग लेकर नकद ईनाम, एडमिशन डिस्काउंट वाउचर और मेले के दौरान संस्थानों द्वारा दिए जाने वाले विशेष एडमिशन ऑफर जीत सकते हैं।

तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में आने वाले छात्रों और अभिभावकों के लिए पूरी तरह एयर-कूल्ड परिसर, कैफेटेरिया और लंच की व्यवस्था भी की जाएगी। यह एजुकेशन फेयर छात्रों के लिए सही करियर चुनने और विभिन्न संस्थानों से सीधे जानकारी प्राप्त करने का बेहतरीन अवसर है।

मुख्य कार्यालय +91 94611 24365

"करिअर मिरर" समाचार पत्र में समाचार व विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए हमारे **मुख्य कार्यालय** का पता: **"करिअर मिरर"** समाचार पत्र, प्रथम तल, चौधरी कॉपलेक्स, NH 48 चौराहा, **बहरोड़** (अलवर) राज. पिन - 301 701, आप ऑफिस पर **094611 24365** (मोबाईल व व्हाटसएप), newsdesk@CareerMirror.co.in ईमेल के माध्यम से भी सम्पर्क कर सकते है।

न्यूज कार्यालय पता: **जयपुर:** 93141 41449 राजेन्द्र जीन्जवाडिया, **कोटपूतली:** 9461124365 पंकज शर्मा, **बहरोड़:** 94620 35020 बालकिशन सैनी, **नारनौल:** 8053710016 नितेश यादव, **रेवाड़ी:** 98290 46440 जसवन्त भार्गव, **महेन्द्रगढ़ (कोसली) :** 98134 60150 ओमप्रकाश डाबला, **अटेली मंडी:** 94166 77528 विनोद शर्मा।

सूचना/अस्वीकरण: यद्यपि समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री के सम्बन्ध में पूर्ण सावधानी रखी गई है। पाठकों की सहायता के लिए सरल रूप में सूचनाओं का प्रकाशन किया गया है, और पाठकों को सलाह दी जाती है कि प्रकाशित जानकारी का प्रयोग करने से पूर्व मूल स्रोत से जानकारी को सत्यापित करें। प्रकाशित सामग्री में किसी प्रकार की त्रुटि के लिए समाचार पत्र किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्राधिकार केवल बहरोड़ (अलवर) राज. ही होगा।

CENTRAL SCHOOL BEHROR
An English Medium Co-Educational School
Pre-Foundation & Foundation Classes
Play Group to 12th
9th To 12th
Enroll Now!!
No Registration Fees
"Qualified minds creating brilliant minds."
Hostel Facility
2026-27 ADMISSION OPEN

Pre-foundation & Foundation, NEET, IIT-JEE Classes
इन्द्रा कॉलोनी रोड, अनाज मण्डी के पीछे, अशोक विहार (कोटपूतली-बहरोड़)
9317311311, 9356311311, 9357311311

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक अन्जय यादव द्वारा ग्राम कारोडा, तहसील बहरोड़, जिला-अलवर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं रवि प्रिंटर्स, रोड़ नं. 2 SBI के नजदीक, अलवर (राजस्थान) से मुद्रित। संपादक: अन्जय यादव, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।